>

Title: Need to formulate and implement a comprehensive scheme for providing safe and clean drinking water in Buxar and Bhojpur districts in Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार प्रदेश में गंगा के किनारे बसे इलाके प्रदूषित जल की समस्या से जूझ रहे हैं। मुख्य रूप से बक्सर जिला तथा भोजपुर जिला की बड़ी आबादी समस्या ग्रस्त है। भू-गर्भीय जल में आर्सेनिक की मात्रा तय सीमा से सैंकड़ों गुना अधिक मौजूद रहने के कारण अपंग बच्चे पैदा हो रहे हैं तथा लोग रोगग्रस्त होते जा रहे हैं। ऐसा इसलिए हुआ है कि गंगा के प्रवाह में आई कमी के कारण भूगर्भीय पानी का स्तर घटता जा रहा है जिससे घुलनशील हानिकारक पदार्थ की औसत मात्रा बढ़ गई है। भू-गर्भीय जल के स्तर को बढ़ाने के लिए वर्षा जल से रीचार्ज हेतु केन्द्रीय सहायता से सैंकड़ों कुओं के निर्माण की योजना चलाई गई लेकिन अनियमितताओं के चलते एक भी कुआँ पूरा नहीं हो सका। नतीजा स्वरूप हानिकारक तत्व की औसत मात्रा में कोई कमी नहीं हो पाई है। गहरे चापाकल लगाने की केन्द्रीय सहायता का भी कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है।

गंगा नदी से स्वच्छ जल की आपूर्ति हेतु महत्वाकांक्षी योजना गत् कई वर्षों से चल रही है मगर प्रगति नगण्य है अर्थात एक भी टोले या गांव को पानी की आपूर्ति इस योजना से आज तक न होना लापरवाही को दर्शाता है। भविष्य में कब तक पानी मिलेगा कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। इस त्रासदी से आबादी को बचाने के लिए स्वच्छ गंगा जल या भू-गर्भीय जल मिले यही एक रास्ता है।

मैं केन्द्रीय सरकार से मांग करता हूं कि राष्ट्र के इस भू-खंड वासियों के हालात में सुधार हेतु स्वयं पहल करे तथा राज्य सरकार के सहयोग से एक वृहत समेकित योजना स्वच्छ जल प्रदान करने हेतु बनाए तथा कार्यान्वित कराएं।